भजन

मेरे पिया का क्या कहना,नूरी मुखड़े वाले मेरे धाम धनी
शोभा सुन्दरता का कोई पार नहीं

1–किया सिनगार सब मेरे दूल्हा,वस्तर भूखण तेज अपारा
कंठ हार अंग अंग नूरी,नूरी झलकारों झलकारा
दूल्हा का..क्या कहना,नूरी मुखड़े...

2–श्वेत है जामा केसरी ईजार,पाग सिनदुरिया पटुका है नीला पीला
रंग पिछौरी है आसमानी,पूर्ण स्वरूप नूरी सजीला
साहेब का...क्या कहना,नूरी मुखड़े...

3–अखण्ड स्वरूप धाम अन्दर,श्यामा जी की छवि अति सुन्दर
शीश कमल पर राखड़ी सोहे,मुखड़ा नूरी टीका मस्तक ऊपर
श्यामा जी का....क्या कहना,नूरी मुखड़े....